भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2628
11.12.2024 को उत्तर देने के लिए

रोजगार सर्वेक्षण

2628. श्री ए. राजा:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए नवीनतम तिमाही और वार्षिक रोजगार सर्वेक्षणों का ब्यौरा क्या है और इन आंकड़ों की तुलना गत वर्षों के तदनुरूपी वर्षों से की गई है;

(ख) शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में विशेषकर महिलाओं के रोजगार में गिरावट के क्या कारण हैं;

(ग) देश में शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के और अधिक अवसर सृजित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इन योजनाओं की प्रभावकारिता के संबंध में कोई प्रभाव आकलन अथवा समीक्षा की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय देश में रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित विभिन्न संकेतकों का आकलन करने के लिए वर्ष 2017 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) का संचालन कर रहा है। पीएलएफएस के आधार पर सर्वेक्षण अवधि की विभिन्न तिमाहियों से संबंधित, तिमाही बुलेटिन प्रकाशित किए जाते हैं जिनमें श्रम बल संकेतकों अर्थात श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर), शहरी क्षेत्रों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में रोजगार और संदर्भाधीन उद्योग में व्यापक स्थिति के अनुसार श्रमिकों के वितरण, के अनुमान प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वार्षिक रिपोर्टें प्रस्तुत की जाती हैं जो ग्रामीण और शहरी दोनो क्षेत्रों को कवर करती हैं और सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) और वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दोनों में रोजगार और बेरोजगारी के सभी महत्वपूर्ण मानकों के अनुमान उपलब्ध कराती हैं। जुलाई 2017- जून 2018 से जुलाई 2023- जुलाई 2024, की अवधि के दौरान, अखिल भारतीय स्तर पर किए गए पीएलएफएस की वार्षिक रिपोर्टों से प्राप्त किए गए पुरुष और महिलाओं के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर के वार्षिक अनुमान अनुबंध-I में दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जनवरी - मार्च 2022 से जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के दौरान प्राप्त किए गए तिमाही बुलेटिनों, से वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में शहरी क्षेत्रों के लिए एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर के पुरुष और महिला के लिए अलग से तिमाही अनुमान अनुबंध-II में दिए गए हैं।

(ख): जुलाई 2017- जून 2018 से जुलाई 2023-जून 2024 की अवधि के दौरान आयोजित पीएलएफएस से सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) के अनुसार महिलाओं के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग से किए गए सर्वेक्षणों से प्राप्त श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) के अनुमान तालिका में दिए गए हैं।

महिलाओं के लिए पीएलएफएस से सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) के अनुसार श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) प्रतिशत में

अखिल भारत

सर्वेक्षण (अवधि)	महिलाओं के लिए पीएलएफएस से सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) के अनुसार डब्ल्यूपीआर प्रतिशत में		
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण + शहरी
पीएलएफएस, 2017-18	17.5	14.2	16.5
पीएलएफएस, 2018-19	19.0	14.5	17.6
पीएलएफएस, 2019-20	24.0	16.8	21.8
पीएलएफएस, 2020-21	27.1	17.0	24.2
पीएलएफएस, 2021-22	26.6	17.3	24.0
पीएलएफएस, 2022-23	30.0	18.7	27.0
पीएलएफएस, 2023-24	34.8	20.7	30.7

स्त्रोत : वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

टिप्पणी : वर्ष 2017-18, जुलाई 2017- जून 2018 की अवधि और इसी प्रकार 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए संदर्भित है।

ये आंकड़े इंगित करते हैं कि डब्ल्यूपीआर, अर्थात महिलाओं के संबंध में रोजगार में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि की प्रवृति रही है।

(ग) से (घ): रोजगार सृजन के साथ-साथ रोजगार क्षमता में सुधार लाना सरकार की प्राथमिकता है। तदनुसार, भारत सरकार ने शिक्षित युवाओं को शामिल करते हुए देश में रोजगार सृजित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। विभिन्न मंत्रालय/विभाग जैसे सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, वस्त्र मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय आदि विभिन्न रोजगार सृजन योजनाएं/कार्यक्रम जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), ग्रामीण स्वरोजगार और प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), दीनदयाल अन्त्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) आदि कार्यान्वित कर रहे हैं जो पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी के साथ-साथ, रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने 2024-25 के बजट में 4.1 करोड़ युवाओं को 5 वर्ष की अवधि में रोजगार, कौशल और अन्य अवसर उपलब्ध कराने के लिए 5 योजनाओं के प्रधानमंत्री पैकेज तथा अन्य पहलों की घोषणा की इनमें केन्द्र सरकार का 2 लाख करोड़ रुपए का परिव्यय है।

*****

अनुबंध I

दिनांक 11.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2628 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

सभी आयु के व्यक्तियों के लिए पीएलएफएस से सामान्य स्थिति (पीएस+ एसएस) के अनुसार श्रम बल सूचकांक (प्रतिशत में)

अखिल भारत

सर्वेक्षण वर्ष	सामान्य स्थिति (पीएस+ एसएस) में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (प्रतिशत में)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
पीएलएफएस, 2017-18	55.5	17.5	36.9
पीएलएफएस, 2018-19	55.6	18.6	37.5
पीएलएफएस, 2019-20	56.8	22.8	40.1
पीएलएफएस, 2020-21	57.5	25.1	41.6
पीएलएफएस, 2021-22	57.3	24.8	41.3
पीएलएफएस, 2022-23	56.2	27.8	42.4
पीएलएफएस, 2023-24	58.2	31.7	45.1

सर्वेक्षण वर्ष	डब्ल्यूपीआर (प्रतिशत)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
पीएलएफएस, 2017-18	52.1	16.5	34.7
पीएलएफएस, 2018-19	52.3	17.6	35.3
पीएलएफएस, 2019-20	53.9	21.8	38.2
पीएलएफएस, 2020-21	54.9	24.2	39.8
पीएलएफएस, 2021-22	54.8	24.0	39.6
पीएलएफएस 2022-23	54.4	27.0	41.1
पीएलएफएस, 2023-24	56.4	30.7	43.7

सर्वेक्षण वर्ष	बेरोजगारी दर (यूआर) (प्रतिशत)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
पीएलएफएस, 2017-18	6.2	5.7	6.1
पीएलएफएस, 2018-19	6.0	5.2	5.8
पीएलएफएस, 2019-20	5.1	4.2	4.8
पीएलएफएस, 2020-21	4.5	3.5	4.2
पीएलएफएस, 2021-22	4.4	3.3	4.1
पीएलएफएस, 2022-23	3.3	2.9	3.2
पीएलएफएस, 2023-24	3.2	3.1	3.2

स्त्रोत : वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

टिप्पणी : वर्ष 2017-18, जुलाई 2017- जून 2018 और इसी प्रकार 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए संदर्भित है।

अनुबंध II

दिनांक 11.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2628 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

जनवरी-मार्च 2022 से जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के अनुसार श्रम बल सूचकांक (प्रतिशत में)			
सर्वेक्षण (अवधि)	वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (प्रतिशत में)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
जनवरी– मार्च 2022	57.4	16.2	37.2
अप्रैल – जून 2022	57.2	16.4	37.2
जुलाई – सितंबर 2022	57.1	17.2	37.6
अक्टूबर – दिसंबर 2022	57.2	17.7	37.9
जनवरी-मार्च 2023	57.3	18.0	38.1
अप्रैल-जून 2023	57.4	18.5	38.4
जुलाई-सितम्बर 2023	57.6	19.0	38.8
अक्टूबर-दिसम्बर 2023	57.8	19.9	39.2
जनवरी-मार्च 2024	58.0	20.3	39.5
अप्रैल-जून 2024	58.0	20.0	39.3
जुलाई-सितम्बर 2024	58.2	20.3	39.6
सर्वेक्षण (अवधि)	वर्तमान साप्ताहिक स्थिति में (सीडब्ल्यूएस) में प्रतिशत में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
जनवरी– मार्च 2022	53.0	14.5	34.2
अप्रैल – जून 2022	53.1	14.9	34.4
जुलाई – सितंबर 2022	53.3	15.5	34.9
अक्टूबर – दिसंबर 2022	53.5	16.0	35.2
जनवरी-मार्च 2023	53.8	16.4	35.6
अप्रैल-जून 2023	54.1	16.8	35.9
जुलाई-सितम्बर 2023	54.2	17.4	36.2
अक्टूबर-दिसम्बर 2023	54.5	18.2	36.7
जनवरी-मार्च 2024	54.5	18.6	36.9
अप्रैल-जून 2024	54.7	18.2	36.7
जुलाई-सितम्बर 2024	54.8	18.6	37.0
सर्वेक्षण (अवधि)	वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में प्रतिशत में बेरोजगारी दर (यूआर)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति
जनवरी– मार्च 2022	7.8	10.1	8.2
अप्रैल – जून 2022	7.1	9.5	7.6
जुलाई – सितंबर 2022	6.6	9.5	7.2
अक्टूबर – दिसंबर 2022	6.5	9.6	7.2
जनवरी-मार्च 2023	6.1	9.2	6.8

अप्रैल-जून 2023	5.9	9.2	6.7
जुलाई-सितम्बर 2023	6.0	8.6	6.6
अक्टूबर-दिसम्बर 2023	5.8	8.6	6.5
जनवरी-मार्च 2024	6.1	8.4	6.7
अप्रैल-जून 2024	5.8	8.9	6.6
जुलाई-सितम्बर 2024	5.7	8.4	6.4
स्त्रोत *:* तिमाही बुलेटिन पीएलएफएस, जनवरी-मार्च 2022 से तिमाही बुलेटिन पीएलएफएस, जुलाई-सितंबर 2024			